

~~حدید ۹۹۹۵۶۱۸۷۲۳۴~~

56

وحجيم رجة تمام ارفخانة حجة ايلة مخروصة واغررها
 مع وسكن الورقة المطوية وعلفه في صطان يصب فيه
 الريح من الجهة التي فيها الشخص المكلوب فيها يحصل
 المقصود وفي بعض النسخه ويلزم الطلب سورة الهاء
 حجة ترى عجيبا من صنع الله تعالى وليدث للتجريب الذي
 تعطيها يوم الثلاثاء قبل كلوع الشمس في حافة حجر وتجربها
 بالشوم والحنث والطيرت ومنت الاطفاة وتعمل الحزري بصله حرة
 وتذيقها حول القلر وتعزى عليها حور طك ٧٥ مرة بالبروج
 الى الحزري وتزجر على طك عسرة يدا يدي في قايون شقير
 التنيث اتقون من لا يلا يد السابل والوجه السديت وهذه الجرد

٢	٤	٦	نوطه يار حمر شجرين الذي هو	٢	٤	٦
٧	٩	١١	الذي هو الملك والملك والملك والملك	٧	٩	١١
٨	١٠	١٢	الذي هو الملك والملك والملك والملك	٨	١٠	١٢

١	٢	٣	٤	٥	٦	٧	٨	٩	١٠	١١	١٢	١٣	١٤	١٥	١٦	١٧	١٨	١٩	٢٠	٢١	٢٢	٢٣	٢٤	٢٥	٢٦	٢٧	٢٨	٢٩	٣٠	٣١	٣٢	٣٣	٣٤	٣٥	٣٦	٣٧	٣٨	٣٩	٤٠	٤١	٤٢	٤٣	٤٤	٤٥	٤٦	٤٧	٤٨	٤٩	٥٠	٥١	٥٢	٥٣	٥٤	٥٥	٥٦	٥٧	٥٨	٥٩	٦٠	٦١	٦٢	٦٣	٦٤	٦٥	٦٦	٦٧	٦٨	٦٩	٧٠	٧١	٧٢	٧٣	٧٤	٧٥	٧٦	٧٧	٧٨	٧٩	٨٠	٨١	٨٢	٨٣	٨٤	٨٥	٨٦	٨٧	٨٨	٨٩	٩٠	٩١	٩٢	٩٣	٩٤	٩٥	٩٦	٩٧	٩٨	٩٩	١٠٠	١٠١	١٠٢	١٠٣	١٠٤	١٠٥	١٠٦	١٠٧	١٠٨	١٠٩	١١٠	١١١	١١٢	١١٣	١١٤	١١٥	١١٦	١١٧	١١٨	١١٩	١٢٠	١٢١	١٢٢	١٢٣	١٢٤	١٢٥	١٢٦	١٢٧	١٢٨	١٢٩	١٣٠	١٣١	١٣٢	١٣٣	١٣٤	١٣٥	١٣٦	١٣٧	١٣٨	١٣٩	١٤٠	١٤١	١٤٢	١٤٣	١٤٤	١٤٥	١٤٦	١٤٧	١٤٨	١٤٩	١٥٠	١٥١	١٥٢	١٥٣	١٥٤	١٥٥	١٥٦	١٥٧	١٥٨	١٥٩	١٦٠	١٦١	١٦٢	١٦٣	١٦٤	١٦٥	١٦٦	١٦٧	١٦٨	١٦٩	١٧٠	١٧١	١٧٢	١٧٣	١٧٤	١٧٥	١٧٦	١٧٧	١٧٨	١٧٩	١٨٠	١٨١	١٨٢	١٨٣	١٨٤	١٨٥	١٨٦	١٨٧	١٨٨	١٨٩	١٩٠	١٩١	١٩٢	١٩٣	١٩٤	١٩٥	١٩٦	١٩٧	١٩٨	١٩٩	٢٠٠	٢٠١	٢٠٢	٢٠٣	٢٠٤	٢٠٥	٢٠٦	٢٠٧	٢٠٨	٢٠٩	٢١٠	٢١١	٢١٢	٢١٣	٢١٤	٢١٥	٢١٦	٢١٧	٢١٨	٢١٩	٢٢٠	٢٢١	٢٢٢	٢٢٣	٢٢٤	٢٢٥	٢٢٦	٢٢٧	٢٢٨	٢٢٩	٢٣٠	٢٣١	٢٣٢	٢٣٣	٢٣٤	٢٣٥	٢٣٦	٢٣٧	٢٣٨	٢٣٩	٢٤٠	٢٤١	٢٤٢	٢٤٣	٢٤٤	٢٤٥	٢٤٦	٢٤٧	٢٤٨	٢٤٩	٢٥٠	٢٥١	٢٥٢	٢٥٣	٢٥٤	٢٥٥	٢٥٦	٢٥٧	٢٥٨	٢٥٩	٢٦٠	٢٦١	٢٦٢	٢٦٣	٢٦٤	٢٦٥	٢٦٦	٢٦٧	٢٦٨	٢٦٩	٢٧٠	٢٧١	٢٧٢	٢٧٣	٢٧٤	٢٧٥	٢٧٦	٢٧٧	٢٧٨	٢٧٩	٢٨٠	٢٨١	٢٨٢	٢٨٣	٢٨٤	٢٨٥	٢٨٦	٢٨٧	٢٨٨	٢٨٩	٢٩٠	٢٩١	٢٩٢	٢٩٣	٢٩٤	٢٩٥	٢٩٦	٢٩٧	٢٩٨	٢٩٩	٣٠٠	٣٠١	٣٠٢	٣٠٣	٣٠٤	٣٠٥	٣٠٦	٣٠٧	٣٠٨	٣٠٩	٣١٠	٣١١	٣١٢	٣١٣	٣١٤	٣١٥	٣١٦	٣١٧	٣١٨	٣١٩	٣٢٠	٣٢١	٣٢٢	٣٢٣	٣٢٤	٣٢٥	٣٢٦	٣٢٧	٣٢٨	٣٢٩	٣٣٠	٣٣١	٣٣٢	٣٣٣	٣٣٤	٣٣٥	٣٣٦	٣٣٧	٣٣٨	٣٣٩	٣٤٠	٣٤١	٣٤٢	٣٤٣	٣٤٤	٣٤٥	٣٤٦	٣٤٧	٣٤٨	٣٤٩	٣٥٠	٣٥١	٣٥٢	٣٥٣	٣٥٤	٣٥٥	٣٥٦	٣٥٧	٣٥٨	٣٥٩	٣٦٠	٣٦١	٣٦٢	٣٦٣	٣٦٤	٣٦٥	٣٦٦	٣٦٧	٣٦٨	٣٦٩	٣٧٠	٣٧١	٣٧٢	٣٧٣	٣٧٤	٣٧٥	٣٧٦	٣٧٧	٣٧٨	٣٧٩	٣٨٠	٣٨١	٣٨٢	٣٨٣	٣٨٤	٣٨٥	٣٨٦	٣٨٧	٣٨٨	٣٨٩	٣٩٠	٣٩١	٣٩٢	٣٩٣	٣٩٤	٣٩٥	٣٩٦	٣٩٧	٣٩٨	٣٩٩	٤٠٠	٤٠١	٤٠٢	٤٠٣	٤٠٤	٤٠٥	٤٠٦	٤٠٧	٤٠٨	٤٠٩	٤١٠	٤١١	٤١٢	٤١٣	٤١٤	٤١٥	٤١٦	٤١٧	٤١٨	٤١٩	٤٢٠	٤٢١	٤٢٢	٤٢٣	٤٢٤	٤٢٥	٤٢٦	٤٢٧	٤٢٨	٤٢٩	٤٣٠	٤٣١	٤٣٢	٤٣٣	٤٣٤	٤٣٥	٤٣٦	٤٣٧	٤٣٨	٤٣٩	٤٤٠	٤٤١	٤٤٢	٤٤٣	٤٤٤	٤٤٥	٤٤٦	٤٤٧	٤٤٨	٤٤٩	٤٥٠	٤٥١	٤٥٢	٤٥٣	٤٥٤	٤٥٥	٤٥٦	٤٥٧	٤٥٨	٤٥٩	٤٦٠	٤٦١	٤٦٢	٤٦٣	٤٦٤	٤٦٥	٤٦٦	٤٦٧	٤٦٨	٤٦٩	٤٧٠	٤٧١	٤٧٢	٤٧٣	٤٧٤	٤٧٥	٤٧٦	٤٧٧	٤٧٨	٤٧٩	٤٨٠	٤٨١	٤٨٢	٤٨٣	٤٨٤	٤٨٥	٤٨٦	٤٨٧	٤٨٨	٤٨٩	٤٩٠	٤٩١	٤٩٢	٤٩٣	٤٩٤	٤٩٥	٤٩٦	٤٩٧	٤٩٨	٤٩٩	٥٠٠	٥٠١	٥٠٢	٥٠٣	٥٠٤	٥٠٥	٥٠٦	٥٠٧	٥٠٨	٥٠٩	٥١٠	٥١١	٥١٢	٥١٣	٥١٤	٥١٥	٥١٦	٥١٧	٥١٨	٥١٩	٥٢٠	٥٢١	٥٢٢	٥٢٣	٥٢٤	٥٢٥	٥٢٦	٥٢٧	٥٢٨	٥٢٩	٥٣٠	٥٣١	٥٣٢	٥٣٣	٥٣٤	٥٣٥	٥٣٦	٥٣٧	٥٣٨	٥٣٩	٥٤٠	٥٤١	٥٤٢	٥٤٣	٥٤٤	٥٤٥	٥٤٦	٥٤٧	٥٤٨	٥٤٩	٥٥٠	٥٥١	٥٥٢	٥٥٣	٥٥٤	٥٥٥	٥٥٦	٥٥٧	٥٥٨	٥٥٩	٥٦٠	٥٦١	٥٦٢	٥٦٣	٥٦٤	٥٦٥	٥٦٦	٥٦٧	٥٦٨	٥٦٩	٥٧٠	٥٧١	٥٧٢	٥٧٣	٥٧٤	٥٧٥	٥٧٦	٥٧٧	٥٧٨	٥٧٩	٥٨٠	٥٨١	٥٨٢	٥٨٣	٥٨٤	٥٨٥	٥٨٦	٥٨٧	٥٨٨	٥٨٩	٥٩٠	٥٩١	٥٩٢	٥٩٣	٥٩٤	٥٩٥	٥٩٦	٥٩٧	٥٩٨	٥٩٩	٦٠٠	٦٠١	٦٠٢	٦٠٣	٦٠٤	٦٠٥	٦٠٦	٦٠٧	٦٠٨	٦٠٩	٦١٠	٦١١	٦١٢	٦١٣	٦١٤	٦١٥	٦١٦	٦١٧	٦١٨	٦١٩	٦٢٠	٦٢١	٦٢٢	٦٢٣	٦٢٤	٦٢٥	٦٢٦	٦٢٧	٦٢٨	٦٢٩	٦٣٠	٦٣١	٦٣٢	٦٣٣	٦٣٤	٦٣٥	٦٣٦	٦٣٧	٦٣٨	٦٣٩	٦٤٠	٦٤١	٦٤٢	٦٤٣	٦٤٤	٦٤٥	٦٤٦	٦٤٧	٦٤٨	٦٤٩	٦٥٠	٦٥١	٦٥٢	٦٥٣	٦٥٤	٦٥٥	٦٥٦	٦٥٧	٦٥٨	٦٥٩	٦٦٠	٦٦١	٦٦٢	٦٦٣	٦٦٤	٦٦٥	٦٦٦	٦٦٧	٦٦٨	٦٦٩	٦٧٠	٦٧١	٦٧٢	٦٧٣	٦٧٤	٦٧٥	٦٧٦	٦٧٧	٦٧٨	٦٧٩	٦٨٠	٦٨١	٦٨٢	٦٨٣	٦٨٤	٦٨٥	٦٨٦	٦٨٧	٦٨٨	٦٨٩	٦٩٠	٦٩١	٦٩٢	٦٩٣	٦٩٤	٦٩٥	٦٩٦	٦٩٧	٦٩٨	٦٩٩	٧٠٠	٧٠١	٧٠٢	٧٠٣	٧٠٤	٧٠٥	٧٠٦	٧٠٧	٧٠٨	٧٠٩	٧١٠	٧١١	٧١٢	٧١٣	٧١٤	٧١٥	٧١٦	٧١٧	٧١٨	٧١٩	٧٢٠	٧٢١	٧٢٢	٧٢٣	٧٢٤	٧٢٥	٧٢٦	٧٢٧	٧٢٨	٧٢٩	٧٣٠	٧٣١	٧٣٢	٧٣٣	٧٣٤	٧٣٥	٧٣٦	٧٣٧	٧٣٨	٧٣٩	٧٤٠	٧٤١	٧٤٢	٧٤٣	٧٤٤	٧٤٥	٧٤٦	٧٤٧	٧٤٨	٧٤٩	٧٥٠	٧٥١	٧٥٢	٧٥٣	٧٥٤	٧٥٥	٧٥٦	٧٥٧	٧٥٨	٧٥٩	٧٦٠	٧٦١	٧٦٢	٧٦٣	٧٦٤	٧٦٥	٧٦٦	٧٦٧	٧٦٨	٧٦٩	٧٧٠	٧٧١	٧٧٢	٧٧٣	٧٧٤	٧٧٥	٧٧٦	٧٧٧	٧٧٨	٧٧٩	٧٨٠	٧٨١	٧٨٢	٧٨٣	٧٨٤	٧٨٥	٧٨٦	٧٨٧	٧٨٨	٧٨٩	٧٩٠	٧٩١	٧٩٢	٧٩٣	٧٩٤	٧٩٥	٧٩٦	٧٩٧	٧٩٨	٧٩٩	٨٠٠	٨٠١	٨٠٢	٨٠٣	٨٠٤	٨٠٥	٨٠٦	٨٠٧	٨٠٨	٨٠٩	٨١٠	٨١١	٨١٢	٨١٣	٨١٤	٨١٥	٨١٦	٨١٧	٨١٨	٨١٩	٨٢٠	٨٢١	٨٢٢	٨٢٣	٨٢٤	٨٢٥	٨٢٦	٨٢٧	٨٢٨	٨٢٩	٨٣٠	٨٣١	٨٣٢	٨٣٣	٨٣٤	٨٣٥	٨٣٦	٨٣٧	٨٣٨	٨٣٩	٨٤٠	٨٤١	٨٤٢	٨٤٣	٨٤٤	٨٤٥	٨٤٦	٨٤٧	٨٤٨	٨٤٩	٨٥٠	٨٥١	٨٥٢	٨٥٣	٨٥٤	٨٥٥	٨٥٦	٨٥٧	٨٥٨	٨٥٩	٨٦٠	٨٦١	٨٦٢	٨٦٣	٨٦٤	٨٦٥	٨٦٦	٨٦٧	٨٦٨	٨٦٩	٨٧٠	٨٧١	٨٧٢	٨٧٣	٨٧٤	٨٧٥	٨٧٦	٨٧٧	٨٧٨	٨٧٩	٨٨٠	٨٨١	٨٨٢	٨٨٣	٨٨٤	٨٨٥	٨٨٦	٨٨٧	٨٨٨	٨٨٩	٨٩٠	٨٩١	٨٩٢	٨٩٣	٨٩٤	٨٩٥	٨٩٦	٨٩٧	٨٩٨	٨٩٩	٩٠٠	٩٠١	٩٠٢	٩٠٣	٩٠٤	٩٠٥	٩٠٦	٩٠٧	٩٠٨	٩٠٩	٩١٠	٩١١	٩١٢	٩١٣	٩١٤	٩١٥	٩١٦	٩١٧	٩١٨	٩١٩	٩٢٠	٩٢١	٩٢٢	٩٢٣	٩٢٤	٩٢٥	٩٢٦	٩٢٧	٩٢٨	٩٢٩	٩٣٠	٩٣١	٩٣٢	٩٣٣	٩٣٤	٩٣٥	٩٣٦	٩٣٧	٩٣٨	٩٣٩	٩٤٠	٩٤١	٩٤٢	٩٤٣	٩٤٤	٩٤٥	٩٤٦	٩٤٧	٩٤٨	٩٤٩	٩٥٠	٩٥١	٩٥٢	٩٥٣	٩٥٤	٩٥٥	٩٥٦	٩٥٧	٩٥٨	٩٥٩	٩٦٠	٩٦١	٩٦٢	٩٦٣	٩٦٤	٩٦٥	٩٦٦	٩٦٧	٩٦٨	٩٦٩	٩٧٠	٩٧١	٩٧٢	٩٧٣	٩٧٤	٩٧٥	٩٧٦	٩٧٧	٩٧٨	٩٧٩	٩٨٠	٩٨١	٩٨٢	٩٨٣	٩٨٤	٩٨٥	٩٨٦	٩٨٧	٩٨٨	٩٨٩	٩٩٠	٩٩١	٩٩٢	٩٩٣	٩٩٤	٩٩٥	٩٩٦	٩٩٧	٩٩٨	٩٩٩	١٠٠٠	١٠٠١	١٠٠٢	١٠٠٣	١٠٠٤	١٠٠٥	١٠٠٦	١٠٠٧	١٠٠٨	١٠٠٩	١٠١٠	١٠١١	١٠١٢	١٠١٣	١٠١٤	١٠١٥	١٠١٦	١٠١٧	١٠١٨	١٠١٩	١٠٢٠	١٠٢١	١٠٢٢	١٠٢٣	١٠٢٤	١٠٢٥	١٠٢٦	١٠٢٧	١٠٢٨	١٠٢٩	١٠٣٠	١٠٣١	١٠٣٢	١٠٣٣	١٠٣٤	١٠٣٥	١٠٣٦	١٠٣٧	١٠٣٨	١٠٣٩	١٠٤٠	١٠٤١	١٠٤٢	١٠٤٣	١٠٤٤	١٠٤٥	١٠٤٦	١٠٤٧	١٠٤٨	١٠٤٩	١٠٥٠	١٠٥١	١٠٥٢	١٠٥٣	١٠٥٤	١٠٥٥	١٠٥٦	١٠٥٧	١٠٥٨	١٠٥٩	١٠٦٠	١٠٦١	١٠٦٢	١٠٦٣	١٠٦٤	١٠٦٥	١٠٦٦	١٠٦٧	١٠٦٨	١٠٦٩	١٠٧٠	١٠٧١	١٠٧٢	١٠٧٣	١٠٧٤	١٠٧٥	١٠٧٦	١٠٧٧	١٠٧٨	١٠٧٩	١٠٨٠	١٠٨١	١٠٨٢	١٠٨٣	١٠٨٤	١٠٨٥	١
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	---

62

١. Duraak Dsch. Dsch.
 ٢. Dsch. Dsch.
 ٣. Dsch. Dsch. (Dsch.)
 ٤. Duraak Dsch. Dsch.
 ٥. Dsch. Dsch.
 ٦. Dsch. Dsch.
 ٧. Dsch. Dsch.
 ٨. Dsch. Dsch.
 ٩. Dsch. Dsch.
 ١٠. Dsch. Dsch.
 ١١. Dsch. Dsch.
 ١٢. Dsch. Dsch.
 ١٣. Dsch. Dsch.
 ١٤. Dsch. Dsch.
 ١٥. Dsch. Dsch.
 ١٦. Dsch. Dsch.
 ١٧. Dsch. Dsch.
 ١٨. Dsch. Dsch.
 ١٩. Dsch. Dsch.
 ٢٠. Dsch. Dsch.
 ٢١. Dsch. Dsch.
 ٢٢. Dsch. Dsch.
 ٢٣. Dsch. Dsch.
 ٢٤. Dsch. Dsch.
 ٢٥. Dsch. Dsch.
 ٢٦. Dsch. Dsch.
 ٢٧. Dsch. Dsch.
 ٢٨. Dsch. Dsch.
 ٢٩. Dsch. Dsch.
 ٣٠. Dsch. Dsch.
 ٣١. Dsch. Dsch.
 ٣٢. Dsch. Dsch.
 ٣٣. Dsch. Dsch.
 ٣٤. Dsch. Dsch.
 ٣٥. Dsch. Dsch.
 ٣٦. Dsch. Dsch.
 ٣٧. Dsch. Dsch.
 ٣٨. Dsch. Dsch.
 ٣٩. Dsch. Dsch.
 ٤٠. Dsch. Dsch.
 ٤١. Dsch. Dsch.
 ٤٢. Dsch. Dsch.
 ٤٣. Dsch. Dsch.
 ٤٤. Dsch. Dsch.
 ٤٥. Dsch. Dsch.
 ٤٦. Dsch. Dsch.
 ٤٧. Dsch. Dsch.
 ٤٨. Dsch. Dsch.
 ٤٩. Dsch. Dsch.
 ٥٠. Dsch. Dsch.
 ٥١. Dsch. Dsch.
 ٥٢. Dsch. Dsch.
 ٥٣. Dsch. Dsch.
 ٥٤. Dsch. Dsch.
 ٥٥. Dsch. Dsch.
 ٥٦. Dsch. Dsch.
 ٥٧. Dsch. Dsch.
 ٥٨. Dsch. Dsch.
 ٥٩. Dsch. Dsch.
 ٦٠. Dsch. Dsch.
 ٦١. Dsch. Dsch.
 ٦٢. Dsch. Dsch.
 ٦٣. Dsch. Dsch.
 ٦٤. Dsch. Dsch.
 ٦٥. Dsch. Dsch.
 ٦٦. Dsch. Dsch.
 ٦٧. Dsch. Dsch.
 ٦٨. Dsch. Dsch.
 ٦٩. Dsch. Dsch.
 ٧٠. Dsch. Dsch.
 ٧١. Dsch. Dsch.
 ٧٢. Dsch. Dsch.
 ٧٣. Dsch. Dsch.
 ٧٤. Dsch. Dsch.
 ٧٥. Dsch. Dsch.
 ٧٦. Dsch. Dsch.
 ٧٧. Dsch. Dsch.
 ٧٨. Dsch. Dsch.
 ٧٩. Dsch. Dsch.
 ٨٠. Dsch. Dsch.
 ٨١. Dsch. Dsch.
 ٨٢. Dsch. Dsch.
 ٨٣. Dsch. Dsch.
 ٨٤. Dsch. Dsch.
 ٨٥. Dsch. Dsch.
 ٨٦. Dsch. Dsch.
 ٨٧. Dsch. Dsch.
 ٨٨. Dsch. Dsch.
 ٨٩. Dsch. Dsch.
 ٩٠. Dsch. Dsch.
 ٩١. Dsch. Dsch.
 ٩٢. Dsch. Dsch.
 ٩٣. Dsch. Dsch.
 ٩٤. Dsch. Dsch.
 ٩٥. Dsch. Dsch.
 ٩٦. Dsch. Dsch.
 ٩٧. Dsch. Dsch.
 ٩٨. Dsch. Dsch.
 ٩٩. Dsch. Dsch.
 ١٠٠. Dsch. Dsch.

طذا او طذا بحبة طذا او طذا وعشيفا وشموع الى فلان بن فلانة ولحق
 الخاتم الطير والفطر المنبر وبردود القدوس وحبها فخر صاف ودهان
 وعصرونك ومنطرونك وتسمعونك والابيط ومنيصون الخ لا يرفق
 واما بنام حتى تاخذ بالناحية والافهام وتجلد على العرونة تسام
 تسام تو طلوا يا خدام هذه العربية المستنوبة والناكوت احضر
 واما اعد باللماعة واجعلوا ما من تظم به وحبها فخر صاف ودهان
 الله الى ميتة وهذا هو الالحاح لاسم الله البديع الدائم الهادي
 اللطيف يا هادي من اهتدي اهتدي فلب طذا او طذا او طذا من
 نا صيتها ومجا مع قلبها وحرطوا الارواح الروحانية الساكنة
 في قلبها المستخرجة بحبيبتها حتى تظنون شموع يدي ولبسها
 وحبها صاف يسر الله من الاشرار البديع الزاكي الحافظ الظاهر
 وهذا هو الحبل ولطفا نرى ان تساء الله تعالى وحسن عونه
 فايدت للصحة تعطينها ثمانية ورقات وخرف كل يوم
 في ورقة مع التوحيد وهذه
 هو الحبل وتكتب وهو
 المربع ان تساء الله تعالى
 شوطه يا خدام هذه

ا	هـ	ل	م	ف	ك	د
د	ا	هـ	ل	م	ف	ك
ك	د	ا	هـ	ل	م	ف
ف	ك	د	ا	هـ	ل	م
م	ف	ك	د	ا	هـ	ل
ل	م	ف	ك	د	ا	هـ
هـ	ل	م	ف	ك	د	ا

١١	١٢	١٣
ر	ح	م
ر	هـ	و
ر	ط	ح

الاسماء التي فيها ثمانية

فايدت للصحة وهي التهنيت تعطين هذه الاسماء في ورقة وتعمل
 في كل ورقة تسعة حبات فليكن وسبع حبات لبان وان عملت
 ثمانية ورقات فانها تخلص الحلق والخلط فان عملت
 خمسة او تسعة فان الحلق والخلط يخرج عفله وهذا ما تطلب

ما تطلب كحقوقك كحقوقك فركوك فركوك فركوك
 فركوك فركوك كحقوقك كحقوقك فركوك فركوك
 فت قلبك كذا وكذا على محبة كذا وكذا كما يتقدم
 الصالح على النار الى حاتم العاجل في الساعة من
 فايدت في دعوت بدوح اللهم اني استسقط يا بدوح يا بدوح
 يا قاجب الاسم الممدوح ارجب اليط بما خلك العلم في اللوح ويا
 حم ونوح ويطي النبي الى محمد صاحب الصدر المنسرح انا تاخيل
 من فلكة ميتة فلكة القلب والجسد والنفس والعقل والروح يحس
 منهم غيب الله والذين امنوا اسجد حبا جت ولا زجيبيا
 هو المهاد عليه انطق بسلام حبه والقيت عيط يا فلكة
 ميت فلكة محبة من فلكة بن فلكة لو انقفت ما في الارض جميعها
 ما العتبت فلودهم ورحمن الله اليه ينسحب انه عزيز عظيم
 حاتم بدوح تعطينها في سمات الزهرة والفسر والمشي تكتب
 الحاتين هاتين او تدر ربهما العزيمة وتعلم عليها مرة
 او كمر مرة وتجرهما وحققهما بين حجرين ثقيبتين والهايا
 يطون جوف المصلوب وتعلم بدوح طك طك تسعة ايام والار
 بقعة عشرين يوما والا احد ورربعين يوما وثمانية وعشرين
 يوما ولا خمسة وثلاثين يوما والا اثنين ورربعين يوما والا
 تسعة ورربعين يوما فان المصوب له يات كحوا افرضا
 ولو طان في السلاسل من الحديت وهو يصلح للعطش
 للشخص او فلكة لتسحقها الطير او وهو يصلح للحب
 الذهب والعقبة وبه لالحروف بالحروف العقبية

١٨٥	والقيت	١٨٥
مبنة	المكمل	عيط
٧٥	منه	٧٥

ب	والقيت	>
عيط	المكمل	مبنة
و	منه	ح

فَكَرِهْتُ فَلَا أَرَاكَ جَلِبُ الْغَلَايِبِ أَطْتَبِ الْأَسْمَ
 السَّابِعُ يَوْمُ الْجُمُعَةِ سَاعَةُ الزَّهْرَةِ وَعَلَفَةُ مَعَ الْفَالِبِ
 أَوْفَى وَسَاءَ تَهْ أَوْ تَغْتَبِ السَّيْتَةُ مَعَ سَاعَةِ الْمَرْجِ ذَا الطَّبِ
 الْيَوْمِ وَتَعْلَفُ مَعَ أَسْمِ الْغَلَايِبِ وَتَغْطِرُ بِأَخِي خَدَامُ هَذَا
 الْأَسْمَاءُ هِيَ جَوْدٌ وَأَجْلَبُ وَأَطْغَا إِلَى طَغَا وَأَوْفَى وَأَهْمُ الْأَسْمَاءُ
 لِلْحَمْدِ كَيْلُ مَعْدُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ
 نَعْمُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ كَيْلُ
 الْمُتَسَيِّفُ مَنَارُ السَّبْعَةِ هَذَا هُوَ لَمَفْعُ جَلِبُ

ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل

ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف
ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف
ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف
ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف
ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف
ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف
ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف
ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف
ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف
ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف	ف

ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج
ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج
ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج
ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج
ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج
ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج
ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج
ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج
ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج
ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج

ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل

فَكَرِهْتُ الْعَوْدَ لَمَفْعُ جَلِبُ
 السَّابِعُ تَطْعَتُ جَدُولٍ فَلَمَّا رَأَيْتُهُ الْخَرِيمَ وَتَدَوَّرِيهِ
 هَذِهِ الْآيَاتُ وَهَبْ لِي يَا وَهَّابُ عِلْمًا وَحُكْمًا وَكَرَمًا
 يَا زَارِفُ خُذْ لِي مِنْ سَطَرٍ يَا كَفِيرُ يَا قِتَاحُ يَا قَتِجُ بِالْهَدَى
 يَا عَلَمُ يَا عَلِيمُ خُذْ لِي مِنْ عِلْمٍ يَا زَارِفُ خُذْ لِي مِنْ عِلْمٍ
 بِقِيَّتِهِمْ ثُمَّ يَا نَوَّارُ خَيْرًا وَطَيِّبًا اللَّهُ الْمَوْمِنِينَ وَطَلَّ اللَّهُ قُوَّةَ
 يَا عَزِيزُ عَفِّتْ لِسَانَهُ الْبَالِغُ الْجَاعِلُ طَيِّبًا أَوْ قَفِيرًا
 عَنْ حَامِلٍ خَلَّيْهُ هَذَا بِمَاعِزَةِ اللَّهِ بِهِ الْبَحْرُ لَا يَقْبَلُ عَلَى
 الْأَرْضِ وَمَاعِزَةُ اللَّهِ أَرْحَامُ الْبَغْلَةِ عَنْ الْوَلَادَةِ وَمَاعِزَةُ
 اللَّهِ لِسَانُهُ الْبَغْلَةُ لَا تَقْبَلُ عَنْهُ صَمٌّ بِطَمْعٍ عَمِي

عصى فبهم لا يسمعون صم بضم صمى وبهم لا يسمعون
ولا يتردون لله فبهم لا يسمعون بالاسم المخفون ا
لسمعون عالمي فترن الاسماء كسم كسم كسم
صم صم صم كسم كسم كسم كسم كسم كسم
صم بضم بضم بضم عصى عصى عصى عصى عصى عصى
يسمعون وما يصرون وصوت الاغصون وذات الانافا و
تغلقت العلوط والخلابا ان نكسك تنزل على طم من السماء
اية وقلت اعفهم لظاها ضحيتا وهذا هو الجدول

كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم

بسم الله الرحمن الرحيم وصلى الله على الحبيب محمد
فأبدا لتفصيل القلوب تكتب هذا الجدول بن عجران
وتسفيه لمن تكتب وان عذرتك بيه الرجل انما وهذه
ما تكتب كيمونهم طيب الله والذين انما انما انما
لوانفقت ما في الارض جميعا ملائكت بين قلوبهم وطقن الله
الباينهم انه عز يز حليم الله عز كذا او طنة ابي
عن كذا او طنة انصر من الله وفتح قريب ربنا انصرنا
وهذا هو الجدول طما ان ان نكسك الله

كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم
كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم	كسم

أوفدوا البزاره فوج حيلانه بنت حيلانه بجمعة فلان بنت حيلانه

١ حرف و فليها حتى يكسب
 وتعلم من عبيها بالبرج التي
 الحريف الله هو حرف فلي
 علانة بنت علانة وتكتب
 هذا الحديث من البيضة مع
 في الاسماء انما تسمى الله

والفنية	عربية	مجبة	مركبة
مركبة	والفنية	عربية	مجبة
مجبة	مركبة	والفنية	عربية
عربية	مجبة	مركبة	والفنية

[illegible]

حَيْثُ وَتَحْتَهَا وَفِيهَا فِي الدَّارِ

76

وأيضا في المحبة تطعمها في سبعة ورفات يوم أحد
وتحرق كل ليلة واحد عند رفود الناس وتجرى
بالصبر وتغمر على كل ورقة سبعة مرات بالبروج إلى
الحربة وهذا ما نكتب في كل ورقة
أهياكم الله يا الله والحمد لله
في يومك في يومك احرق يا عبد الله رفات او طة
بعثة طة او طة احرق هذه الاسماء

[illegible]

تَجَبُّوْهَا وَعَلَى خِيُوْطِهَا وَيَسِيْرُوْطِهَا خُرِيُوْهَا
وَعَلَى مَنَازِلِهَا بَنِيْهَا تَقْوِجُوْهَا وَاقْشَعُوْهَا لَهَا لَاقِيَال
وَالْمَسِيْرُ لَهَا الْاِشْتَالُ عَلَيَّ فَوَاقِشُوْهَا مَسْلُكِيْنَ مَسْرَعِيْنَ
كَأَيِّفِيْنَ لِلْمَوْتِ فِيْ الْاَلَامِيْنَ هـ

کتاب فیہ اللہ رب العالمین

77

بسم الله الرحمن الرحيم وصلى الله على الحسين
 وآل بيته الطيبين الطاهرين في هذا ولا حول ولا قوة الا بالله
 وهي منقورة عن ابن الحاج العيسر تكتب الجدول وتعمده وانه
 حب الخير لشديد وتدون مع الجدول المفسر وتصحفها
 وترتك الزبيب او تصرا على سائر المعام وتعلم بالقرينة
 سبعين صراقة وتعلمها منه تكتب ترى حجابا عظيما والعز
 يمة المفسر الخاخرها بان طقتها الجسط ولا تخطط
 وان كتبت الفيرك باذن اسماء طم طمهم والله اعلم
 وهذا هو الجدول كما ترى ان تكتب الله تعالى وحسن عونه

ولانه فان مع العسر يسرا يا فلانة بنت فلانة
 المفسر لطف صدرك يا فلانة بنت فلانة

وانه	الخير	الخير	الخير
الخير	الخير	الخير	الخير
الخير	الخير	الخير	الخير
الخير	الخير	الخير	الخير

ربط جاري غريب يا فلانة بنت فلانة
 فلانة ورجلها كذا وكذا يا فلانة بنت فلانة
 فلانة ورجلها كذا وكذا يا فلانة بنت فلانة

بسم الله الرحمن الرحيم وصلى الله على سيدنا محمد
 وآل بيته الطيبين الطاهرين في دعوت السريع القريب المجيب وهي للتهذيب
 والحببة وتتلوا العزيمة سبعة ايام وهي سبعة مائة مرة وهي
 هذه العزيمة يا سريعا يا قريب يا مجيب يا هادي وتزيد الزجر
 على رأس كل مائة مرة واحدة وهذا هو الزجر اللهم اني
 استغث بك يا اسفك السريع القريب المجيب الهادي الذي فزت
 بيه جوارح رحتك وخواتم ارا دنك وسرعت اجابتك يا سر
 يع لمن طرده يا قريب لمن سأله يا مجيب لمن دعاك يا سرعوا
 في فلكا فلانة بنت فلانة وبلغ ارا دنك في فلكا حتى تطون كسر
 يد ويسال وتطويله ولا تنهوا هذا غير انك على طلك
 تدبر بالله يا الله يا الله اللهم ارحم فلان فلانة بنت فلانة
 فلانة بنت فلانة وهذه اهل الجدول كما ترى ان تكتب الله

فلكا كذا وبلغ ارا دنك في فلكا حتى

اذا دنك وسرعت اجابتك

يا الله اني استغث بك يا اسفك

٦٨	٧٠	٦٩
٦٨	٦٦	٦٨
٦٧	٦٢	٦٤

دعاه اسرع على
 كذا وكذا
 كذا وكذا
 كذا وكذا

كذا وكذا
 كذا وكذا
 كذا وكذا

واما في هذه الصورة كثيرة اختلاف في دفع في دجاءه وهو يفتن
 يتصرف في صور كثيرة اختلاف في دفع في دجاءه وهو يفتن
 الخواص والصحة فقال تفرست آيت من اول سورة الحديد
 سبح لله ما في السموات وما في الارض وهو عليم بذات
 الصدور واخر سورة ثم تقول اللهم يا من هوها طغا
 ولا يزالها طغا غيرك لا اجمال من امره ورحا وخرجا
 واذا خرجتك يستجاب لك ان تسأله الله تعالى وهو
 هذه الجدول كما ترى وهو جدول فل هو الله ا
 الله الصمد لم يلد ولم يولد ولم يكن له كفوا احد

[illegible][illegible]

يا تشيخرباً خضروا عقل فلانة بنت فلانة واحرقوه قلبها
بالنار والنيران ان اخذت الا صيحة واحدة فلا ذاهم جميع يدنيا
محضرون احضروها العجل العجل الواحدا او احدا الساعة
الساعة وتجهلها في حبة من اخذ ساكنا من بعد ما تغلف
عليها بالشمع وتجهلها حول النار وعزم عليها بوزن طلاات
وكرر العمل حتى تستجاب وهذا هو الجود ان تسلك الله

للمحبة وال	واحد	للمحبة وال
للمحبة وال	للمحبة وال	للمحبة وال
للمحبة وال	للمحبة وال	للمحبة وال
للمحبة وال	للمحبة وال	للمحبة وال

على أربعة وجوه وأطبت في كل وجه منها ايت صذهب
ايت صرة ايتا الا حرايت بنرفان ايت تسمه ولس ايتا الله
بيضا ايتا ميمول ايتشون زولب فلانة بنت فلانة بمجة ولا
هنا فلانة في شم اسفل التسمعة في ليلت الاثنين وجر
بلبارن وتعزم بها هذه العزيمة ايتا الذين قيسوا المومنين
والمومنا لا شرم يشويوا فلهذا عذاب جهنم ولطعم
عذاب الحريق الم صرة
فايتت للمحبة والتشبيح في كل وجهها ولا خلاف في
خنة تسمعة ورتبها على أربعة وجوه وأطبت في كل وجه
المروج الناحري في قلب لا ولا ياخذ او هذه الاسماء
بمجة لا ولا ايتا حرايت بنرفان كصم ايتا في سورة ايتا
كيطلا احرقوه قلبها حتى لا تملك ولا تشرب ولا تملك
ينرو على النار حتى ترميها ولا رنظلمه بلسانها

بلسانها العجل بل الواحدا ان اخذت الا صيحة واحدة
فلا ذاهم جميع يدنيا محضرون وتغزم عليها بوزن طلاات
لما بدسورت والشمس وحيدها الا صرة والبجور القصير
والخطابة يوم الحدة عند الزوال والا ثلثت او ايتا او الحقة
في ساعات عديدة وهي وقت المكات وان وجدت في حبة
على نيت من شوب المصوب احسنها

فايتت في جلب القريب من الرجال والنساء تاخذ عود
من الصرة وتزجها على أربعة وجوه وتكتب في كل وجه سورة
والشمس ايتا وتزجها معها هذه الاسماء في الاول جبر ايتا
وفي الثاني صيطر ايتا وفي الثالث اسر ايتا وفي الرابع عز ايتا
وتغزم عليها بالشمس وتجهلها في اخرها فاذا وصلت حرف
الهاء اضر ب الطود في الارض وتقول اللهم يا جميع الناس اليوم
ما ريب فيه اجمع كذا وكذا الله كذا وكذا مرة فان اكلوا
ب يا تيط ونوكلان في بلاد الهند
فايتت للمحبة تكتبها في حوز وتطويه وتجعله في البيضة
بعد ما تخرج وتغلف عليها بالشمس واذا جنتها حول النار
وتغرمها العزيمة الم صرة وهذا هو الجود
العسر يسر ايتا في

الشمس	الشمس	الشمس
الشمس	الشمس	الشمس
الشمس	الشمس	الشمس

في كل عجل ياخذ او هذه

فَأَيَّدَتِ الْمَلَكَةَ تَحْتَهَا يَوْمَ الْخَمِيسِ أَوِ الْاِثْنَيْنِ أَوِ الْجُمُعَةِ
بِهِ بَيْكَةٌ حَاجَةٌ سَوْدَاءُ بَعْدَ غَسَلِهَا مِنْ خَبْثَتِهَا
وَالطَّنَابَةِ بِمَاءٍ وَرَدٍّ وَزَعْفَرَانٍ وَبَعْدَ قِرَاعَتِ مِائَةِ الطَّنَابَةِ
تَجْزِئُهَا بِالْفَصْرِ أَوِ الْجَدْوَى وَالْمَسْكُطَى وَكُفَّيْهَا مِنْ خَرْقَةٍ مِنْ
شَوْبٍ مِنْ تَرِيْدٍ مَحْبَتَهَا وَتَجْعَلُهَا مِنْ مَسْتَوْفَةِ النَّارِ وَاحِدَةً
أَمَامَهَا وَعِزُّهَا عَلَيْهَا سَبْعِينَ مَرَّةً بِمَا تَحْتَ تَعَزُّرُ وَالنَّجْوَى
حَامِدًا يَنْفَعُ وَهَذِهِ أَمَّا تَحْتَبُوبُهُ تَعَزُّرُ فَوَيْسُكَ
فَيُوسُكَ تَسْفُوسُكَ أَيْلَاسُكَ مَرْدُوسُكَ يَنْوُوسُكَ مَشُو
تَسُوكَ أَسْوُوسُكَ كُصُوسُكَ بِرِيَاوُوسُكَ بِحَفَا الْحَقِّ عَلِيْطُكَ
بِأَمَطُوسُكَ أَوِ رَاحِ الرُّوحَانِيَّةِ الْحَاكِمَةِ الْتَاغِيَةِ أَنْزَلُوكَ
أَنْزَلُوكَ السَّاعِدَةَ بِأَخَذِهَا هَذِهِ الْأَسْمَاءُ وَاتَّيَسَّرَ لِكُنُودِ
الْحَقِّ مَسْرَعِيَّةٌ عَاجِلِيَّةٌ حَيَالِيَّةٌ مَوْحِيَّةٌ وَأَوْفَدُوكَ
النَّارَ فِي قَلْبِ طَذَاوُطِ الْعَجَبَةِ طَذَاوُطِ الْخَفَا وَالسَّمَاءِ
تَذَاوُطِ الْبُرُودِ الْكَرِيْفِ طَذَاوُطِ الْخَيْرِ قَلْبِ وَبَلَانَةِ بِنْتِ قَلَانَةِ
بَعْبَةِ قَلَانَةِ قَلَانَةِ وَمَعْنَى الْأَهَمِّ مِنْ نَاصِيَتِهَا وَحُصَا
سَهَا وَمَجَامِعَ قَلْبِهَا وَكُفَّيْهَا الْأَهَمِّ طُورِيَّةٌ وَلَسَالِي
وَتَهْوِيَّةٌ وَمَا تَهْوِي أَحَدٌ فَيَسِرُ وَلَا يَسْتَضِيحُ لَهَا قَرَارٌ
وَمَا حَبِيرٌ دُونَ الْإِلَهِيَّةِ السَّاعَةِ تَرْجَفُ أَنْ هُوَ الْكَاطِلُ
الْبَصَرِ وَهُوَ أَقْرَبُ إِلَى اللَّهِ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ فَدِينُ وَالتَّصْلِيَّةِ
فَأَيَّدَتِ الْمَلَكَةَ تَحْتَهَا بِبَيْكَةٍ بِنْتِ يَوْمِهَا وَتَطَوُّرِ
بِنْتِ يَوْمِهَا وَهِيَ مِنْ كُفَّيْ سَوْدَاءٍ كُتِبَ فِيهَا هَذَا الْعَبْدُ
يَوْمَ الْخَمِيسِ قَبْلَ كَلْعِ الْكَيْسِ وَتَحْفَلُ الْبَيْكَةُ فِي النَّارِ
بِأَنْتِ تَرَى عَجَابَ عَظِيمًا أَنْ تَسَاءَ اللَّهُ وَتَقُولَ عِنْدَ الْحَرِيقِ
اللَّهُمَّ احْرِقْ قَلْبِي وَلَا تَهْمُ بِنْتِ قَلَانَةِ بَعْبَةِ قَلَانَةِ بِنْتِ قَلَانَةِ
وَهَذَا هُوَ الْحَدُّ وَالْمَقْلُوبُ كَمَا تَرَى وَتَطَوُّرُهَا فِي خَرْقَةٍ
جَدِيدَةٍ وَتَجْعَلُهَا فِي النَّارِ وَتَعَزُّرُ عَلَيْهَا بِالْبُرُودِ الْكَرِيْفِ

الشيخ الحريفي الشيخ أحمد بن محمد بن أحمد

۸۳۸	۱۴۴۸	۱۴۵۰
۱۴۴۸	۱۴۴۸	۱۴۴۸
۱۴۴۸	۱۴۴۸	۱۴۴۸



فک صدقات طبعاً و کسباً

المسوق في الروحانية

بِحَقِّهَا تَسْكُنُ الْبَيْتَ الْمَقْدِسَ وَتُحْيِي الْأَرْضَ الْمَقْدُوسَةَ

عبيد بن جابر بن عبد الله بن جابر

خدا سب سے بڑا ہے

وہملاطیہ

[illegible]

2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----


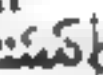










10

بسم الله الرحمن الرحيم



1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

نسمك ان ربيك حظيم عليم ووهبنا له السيف ويعقوب طرد
 هدينا ونوحا هدينا هت فبلكو من ذر نية داود وسليمان وايوب
 ويوسف وموسى وهارون وكذا ط جبره المحسنين وزكريا و
 يحيى وعيسى واليا ص واليسع الى من نفعهم اللهم تستقيم x x بحجة
 x x هك اتنا على الامانة حيث من الله هز لم يظن شيئا من طور انا
 خلقنا الامانة من نطفة امساج نبتليه كذا لظ نبتلع قلب x x
 بحجة x x لا نسمع بيوم القيامة الى ما يتبع فرائه كذا لظ ولانة تبت
 ولانة تسمع فلان بن ولانة ام نسمع لظ صدر كذا يا محمد الى فرغب
 يا جبر ايل فل هو الله احد الله الصمد لم يلد ولم يولد ولم يكن له كفوا احد
 والصومعة ذنينا وللعاقبة الى اخرها وهذا هو الجذول قال عيسى
 بعد تمام الطائفة خذ الماء وتسلل بيه فمض ثا ثين مرة
 واصبح بيه الطائفة واسفله من ثا ثين            

Handwritten notes on lined paper:

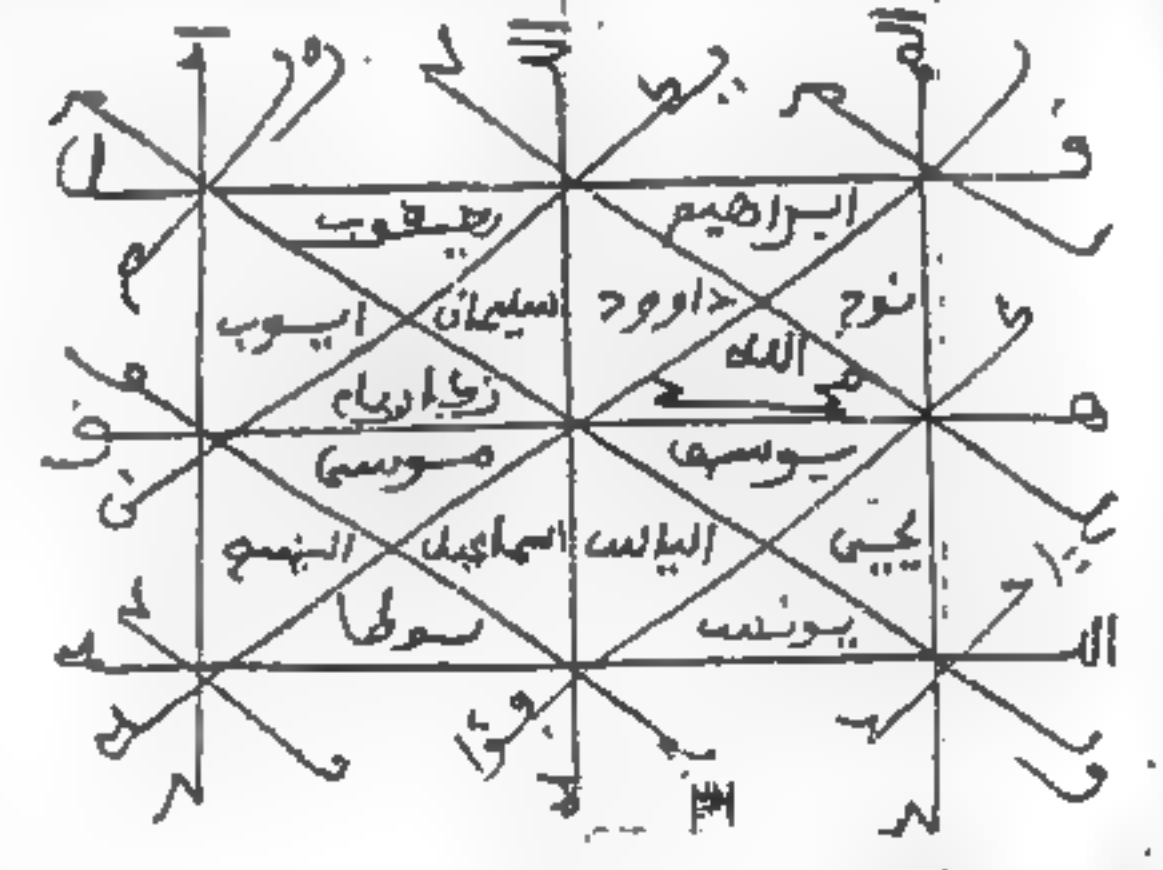
- 6
- 6
- 6
- J
- 7
- 8

96

[illegible]

; 1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ وَصَلَّى اللَّهُ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ
 فَأَيَّدَتْ الْمَحَبَّةُ مَجْرِبَ الْحَيِّ لَا تَبْطُلُ فِيهَا تَخْتَبِئُهَا يَوْمَ الدَّيْتِ
 فَبَلَّ مَلْعُوقُ النَّصَبِ وَتَجَرَّ الْحَرْزُ وَتَعَلَّفَهُ فِي الْهَيْسِ وَطَذَّرَ الْبُحْرَ
 الْهَيْسَ بِالْقَلْعِ الْهَيْسِ وَالْعَصْرِ وَتَعَلَّمْ عَلَى الْهَيْسِ بِسُورَةِ الْيَعْسَلِ
 لِسَبْعِينَ مَرَّةً أَلَمْ يَكُنْ أَيْدِيكَ تَرْصِدُهُمْ كَذَلِكَ يَكْبُرُ عَقْلُ
 فَلَانَةِ بِنْتِ فَلَانَةِ بِحَبَّةِ فَلَانَةِ بِنْتِ فَلَانَةِ حَتَّى يَأْتِيَهَا عَقْلُهَا
 وَلَا دَمَاعُهَا وَتَجْعَلَ الْحَرْزُ فِي جَنَاحِ الطَّيْرِ لِيَكُنْ أَحْرَبُ أَمْرٍ وَتَكْلِفُهُ
 يَوْمَ أَنْصَحُوا فَإِنَّهُ يَكْبُرُ عَقْلُهَا وَإِذَا كَرِهَتْ لَا يَكْبُرُ عَقْلُهَا أَجْعَلْ
 الْهَيْسَ فِيهَا تَرَى عَجَابَ عَظِيمًا وَهَذَا مَا تَطَلَّبُ أَنْ تُسَمِّيَ اللَّهُ تَعَالَى
 صَمِ بِطَمِ عَمِي فَصَمِ لَا يَنْظُمُونَ يَخَادُ الْبَرْقُ الْخَطْفُ الْهَيْسَ هَسَمِ
 طَالَمَا ضَا لَهْمُ صَكُورٍ فِيهِ لِيَا خَمِ مَدَّ هَبِ لِيَا لُطُوفُ مَرَّةٍ لِيَا حُورِ
 أَلَا حُرِّ لِيَا رُوحِ نِيْلَانِ لِيَا رُوحِ نَسْطَرُوكِ لِيَا رُوحِ الْإِيضَا لِيَا تَسْلُوكِ
 مَيْتُ حُورِ تَوَطَّلُورُ يَا خَدَامَ هَذِهِ الْأَسْمَاءُ بَنِيهِمْ فَلَانَةُ بِنْتِ فَلَانَةِ
 بِحَبَّةِ فَلَانَةِ بِنْتِ فَلَانَةِ وَهَذَا هُوَ الْحَدِيدُ وَالْحَصَانُ أَنْ تُسَمِّيَ اللَّهُ تَعَالَى



[illegible]

البحر في العلم بحر فليب = راجع

٨٨	٨٩	٩٠
٩١	٩٢	٩٣
٩٤	٩٥	٩٦

செய்து

[illegible][illegible][illegible]

بسم الله الرحمن الرحيم : وصلى الله على سيدنا محمد وعلى آله وسلم

بمبلغ مائة السوابع اليلية والنهارية

[illegible]

۱۰۰
 ۱۰۱
 ۱۰۲
 ۱۰۳
 ۱۰۴
 ۱۰۵
 ۱۰۶
 ۱۰۷
 ۱۰۸
 ۱۰۹
 ۱۱۰
 ۱۱۱
 ۱۱۲
 ۱۱۳
 ۱۱۴
 ۱۱۵
 ۱۱۶
 ۱۱۷
 ۱۱۸
 ۱۱۹
 ۱۲۰
 ۱۲۱
 ۱۲۲
 ۱۲۳
 ۱۲۴
 ۱۲۵
 ۱۲۶
 ۱۲۷
 ۱۲۸
 ۱۲۹
 ۱۳۰
 ۱۳۱
 ۱۳۲
 ۱۳۳
 ۱۳۴
 ۱۳۵
 ۱۳۶
 ۱۳۷
 ۱۳۸
 ۱۳۹
 ۱۴۰
 ۱۴۱
 ۱۴۲
 ۱۴۳
 ۱۴۴
 ۱۴۵
 ۱۴۶
 ۱۴۷
 ۱۴۸
 ۱۴۹
 ۱۵۰
 ۱۵۱
 ۱۵۲
 ۱۵۳
 ۱۵۴
 ۱۵۵
 ۱۵۶
 ۱۵۷
 ۱۵۸
 ۱۵۹
 ۱۶۰
 ۱۶۱
 ۱۶۲
 ۱۶۳
 ۱۶۴
 ۱۶۵
 ۱۶۶
 ۱۶۷
 ۱۶۸
 ۱۶۹
 ۱۷۰
 ۱۷۱
 ۱۷۲
 ۱۷۳
 ۱۷۴
 ۱۷۵
 ۱۷۶
 ۱۷۷
 ۱۷۸
 ۱۷۹
 ۱۸۰
 ۱۸۱
 ۱۸۲
 ۱۸۳
 ۱۸۴
 ۱۸۵
 ۱۸۶
 ۱۸۷
 ۱۸۸
 ۱۸۹
 ۱۹۰
 ۱۹۱
 ۱۹۲
 ۱۹۳
 ۱۹۴
 ۱۹۵
 ۱۹۶
 ۱۹۷
 ۱۹۸
 ۱۹۹
 ۲۰۰

[illegible]

المؤلف:

الكتاب هذا الوجه ان علفه طرحت البرج جانه يتلخص

٨	١	١٤	١١
١٣	١٢	٧	٢
٣	٤	٩	١٤
١٥	١٥	٣	٤

عنه واين ادويري سريعا بلان الله وهذا
 الكلا في هذا الوجه اذا اكتب ووضع
 عند من شغل لوقتته وان مغراجله عند
 الله عنه وله خواص عجيبه في الحية والقبول
 والديانة وفي كل شئ بارئته بحسب شئك عند
 في هذا كتابه ورقته

٢٩٩٩٣٧	٢٩٩٩٣٥	٢٩٩٩٣٤	٢٩٩٩٣٥
٢٩٩٩٣٣	٢٩٩٩٣١	٢٩٩٩٣٠	٢٩٩٩٣١
٢٩٩٩٣٢	٢٩٩٩٣٩	٢٩٩٩٣٨	٢٩٩٩٣٥
٢٩٩٩٣٥	٢٩٩٩٣٣	٢٩٩٩٣٣	٢٩٩٩٣٣

وهذا كتاب هذا الوجه في التداويل وعلمه معون ويكتب في هذا

٢٩٩٩٣٧	٢٩٩٩٣٥	٢٩٩٩٣٤	٢٩٩٩٣٥
٢٩٩٩٣٣	٢٩٩٩٣١	٢٩٩٩٣٠	٢٩٩٩٣١
٢٩٩٩٣٢	٢٩٩٩٣٩	٢٩٩٩٣٨	٢٩٩٩٣٥
٢٩٩٩٣٥	٢٩٩٩٣٣	٢٩٩٩٣٣	٢٩٩٩٣٣

جانه يخل بلان الله في هذا الوجه في
 في هذا الكتاب في هذا الوجه في
 كتبه ومعه في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في

١٥٩٩٩٨٥
 او اسر الله في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في

٢٩٩٩٣٧	٢٩٩٩٣٥	٢٩٩٩٣٤	٢٩٩٩٣٥
٢٩٩٩٣٣	٢٩٩٩٣١	٢٩٩٩٣٠	٢٩٩٩٣١
٢٩٩٩٣٢	٢٩٩٩٣٩	٢٩٩٩٣٨	٢٩٩٩٣٥
٢٩٩٩٣٥	٢٩٩٩٣٣	٢٩٩٩٣٣	٢٩٩٩٣٣

في هذا الكتاب في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في

٤٨	٤٥	٤٣
٤٤	٤٤	٤٨
٤٩	٤٢	٤٧

في هذا الكتاب في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في

٢٧	٢٢	٢٤	٢١	٢٣	٢٥
٢٩	٢٨	٢٠	٢٢	٢٤	٢٦
٣١	٣٢	٣٤	٣٥	٣٦	٣٧

في هذا الكتاب في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في
 في هذا الوجه في هذا الوجه في

